Mahendra's

UP POLICE कांस्टेबल/ UP लेखपाल

HINDI

पूर्ववर्ती परीक्षाओं के वस्तुनिष्ठ प्रश्न

व्याख्या सहित

भाग–2

LIVE 03:00 PM

23. मत + ऐक्य = मतैक्य में प्रयुक्त सन्धि का नाम है ?
(a) यण् सन्धि
(b) गुण सन्धि
(c) वृद्धि सन्धि
(d) दीर्घ सन्धि
24. लोक +एषणा= लोकैषण में प्रयुक्त सन्धि का नाम है ?
(a) यण् सन्धि
(b) गुण सन्धि
(c) वृद्धि सन्धि
(d) दीर्घ सन्धि

वृद्धि संधि-जब अ, आ के साथ ए, ऐ मिलाया जाए तो ऐ तथा अ, आ के साथ ओ औ मिलाया जाए तो औ हो जाता है।

अ + ए = ऐ
आ + ए = ऐ
अ+ओ = औ
आ+औ = औ

Mahendra's

1.उद्गम के आधार पर निम्न में से कौन-सा शब्द-भेद नहीं है?
(a) तत्सम(b) रूढ़(c) तद्भव (d)विदेशी

2.तत्सम शब्दों का मूल स्रोत है:
(a) अपभ्रंश (b) प्राकृत(c) संस्कृत(d) पालि

3.निम्नलिखित में कौन रूढ़ शब्द है?
(a) सलाई (b)पेट(c) पंकज (d)उबटन

4.'उलूक' का तद्भव शब्द है:
(a) उलक (b)ओलक(c) रात्रिपथ(d)उल्लू

5.निम्नलिखित प्रश्नों में योगरूढ़ शब्द कौन-सा है?
(a) योद्धा (b) असुर (c) दशानन d) राक्षस

Mahendra's

शब्द भेद - इन्हें चार भागों में विभाजित किया गया है-

1.उत्पत्ति/उद्गम के आधार पर -
(i) तत्सम(ii) तद्भव (iii) देशज(iv) विदेशी (v) संकर

2. रचना /बनावट के आधार पर -
(i) रूढ़ शब्द (ii) यौगिक शब्द (iii) योगरूढ़ शब्द

3.अर्थ के आधार पर –
(i)समानार्थी शब्द (ii) विपरीतार्थी शब्द (iii) एकार्थी (iv) अनेकार्थी

4.व्याकरण या प्रयोग के आधार पर-
(i)विकारी शब्द (ii)अविकारी शब्द

1.तत्सम शब्द-हिन्दी में बहुत-से शब्द संस्कृत से सीधे आ गए हैं और आज भी संस्कृत के मूल शब्द की ही भाँति हिन्दी में प्रयुक्त होते हैं। जैसे—घन, नारी।

2.तद्भव शब्द – ये शब्द संस्कृत से चलकर पालि प्राकृत अपभ्रंश से होते हिन्दी तक पहुँचे हैं, अतः इनके स्वरूप में परिवर्तन आ गया है, जैसे-'दही शब्द हुए 'दधि'।

3.देशज शब्द – वे शब्द जो क्षेत्रीय प्रभाव के कारण परिस्थिति या आवश्यकतानुसार प्रचलित हो गए हैं, जैसे–कटरा, कटोरा, खिड़की।

4.विदेशी शब्द – हिन्दी में अनेक शब्द ऐसे हैं जो हैं तो विदेशी मूल के हैं ।अफसोस, आतिशबाजी, आराम, आवारा।

5.संकर शब्द-दो विभिन्न भाषाओं के शब्दों को मिलाकर जो नया शब्द अस्तित्व में आता है, आदि।
रेल (अंग्रेजी) + गाड़ी (हिन्दी) = रेलगाड़ी

Mahendra's

1.रूढ़ शब्द-जिन शब्दों के अंश सार्थक नहीं होते- कान

2.यौगिक शब्द-वे शब्द जो दो सार्थक शब्दों के मेल से बनते हैं,प्रत्येक शब्द का खण्ड भी सार्थक है-
लाल-पीला

3.योगारूढ़ शब्द-साधारण अर्थ को छोड़कर किसी परम्परा वाले विशेष अर्थ को प्रकट करते हैं,
लम्बोदर,मुरलीधर,

6.योगरूढ़ शब्द का अर्थ है ?
(a) जिसमें कोई रूप परिवर्तन न हो
(b) जिसका अर्थ निश्चित हो
(c) जिसकी कोई व्युत्पत्ति ज्ञात न हो
(d) जो सामान्य अर्थ को छोड़क परंपरागत अर्थ बताए

7.शब्द किसे कहते हैं ?
(a) एक या एक से अधिक ध्वनि समूह को
(b) एक या एक से अधिक वर्ण समूह को
(c) एक या एक से अधिक सार्थक वर्ण समूह को
(d) ध्वनि की लघुतम इकाई को

8.पुलिस किस वर्ग का शब्द है?
(a)तत्सम
(b) तद्भव
(c) देशज
(d) विदेशी

9. झुण्ड शब्द में संज्ञा का भेद बताएँ-
(a) जातिवाचक(b) समूहवाचक(c) भाववाचक(d) व्यक्तिवाचक

10. सोना में संज्ञा शब्द का भेद बताएँ-
(a) व्यक्तिवाचक(c) भाववाचक(b) समूहवाचक(d) जातिवाचक

11.बचपन,मित्रता,अहंकार,देवत्व ये शब्द कौन-सी संज्ञा है?
(a) भाववाचक (c) समूहवाचक(b) व्यक्तिवाचक (d) जातिवाचक

12.'कल वह विद्यालय जाएगा।'इस वाक्य में सर्वनाम छाँटे:
(a) कल(b) वह(c) विद्यालय(d) जाएगा

13.'खाना खा लो।' इस वाक्य में 'खाना' कैसा सर्वनाम है?
(a) प्रश्नवाचक सर्वनाम(b) अनिश्चयवाचक सर्वनाम
(c) निश्चयवाचक सर्वनाम(d) निजवाचक सर्वनाम

संज्ञा-किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव आदि का बोध कराने वाले शब्द संज्ञा कहलाते हैं, जैसे-राहुल, दिल्ली,किताब, प्रेम।
संज्ञा के भेद-(1)व्यक्तिवाचक
(2)जातिवाचक(3)द्रव्यवाचक(4)समूहवाचक(5)भाववाचक

सर्वनाम- जो शब्द सभी संज्ञा शब्दों के स्थान पर प्रयोग किए जाते हैं, सर्वनाम कहलाते हैं,
जैसे- यह, वह, ये, वे, इनका, उनका आदि ।

सर्वनाम के भेद-छह (6) भेद होते हैं -
1. पुरुषवाचक सर्वनाम- मैं, तुम, वह, हम, वे।
2. निश्चयवाचक सर्वनाम- यह (निकट), वह (दूर)।
3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम- कोई, क्या, कुछ।
4. निजवाचक सर्वनाम- आप, स्वयं, खुद।
5. संबंधवाचक सर्वनाम- जो, सो ।
6. प्रश्नवाचक सर्वनाम- कौन, क्या।

14.विशेषण किस शब्द की विशेषता बताते हैं?
(a) संज्ञा की
(b) सर्वनाम की
(c) संज्ञा और सर्वनाम की
(d) कारक की

15.किस वाक्य में अच्छा' शब्द का प्रयोग विशेषण के रूप में हुआ है?
(a) तुमने अच्छा किया जो आ गए
(b) यह स्थान बहुत अच्छा है।
(c) अच्छा तुम घर जाओ
(d) अच्छा है वह अभी आ जाए।

विशेषण-जिस शब्द से किसी संज्ञा अथवा सर्वनाम की विशेषता अथवा गुण प्रकट हो, उसे विशेषण कहते हैं।
उदाहरण के लिए, 1. वह लड़की गोरी है।

विशेषण के भेद - मुख्यत:विशेषण 4 प्रकार के होते हैं-
1.गुणवाचक 2.संख्यावाचक 3.परिमाणवाचक 4.सार्वनामिक (संकेत वाचक)

विशेष्य -विशेषण द्वारा जिस शब्द की विशेषता प्रकट हो, उसे 'विशेष्य' कहते हैं।

क्रिया-जिन शब्दों से किसी कार्य का होना या करना व्यक्त होता है, उन्हें क्रिया कहते हैं, जैसे- खाना, पीना, सोना, हँसना

धातु – क्रिया के मूल रूप को धातु कहते हैं। 'धातु' से ही क्रिया पद का निर्माण होता है इसलिए क्रिया के सभी रूपों में 'धातु' उपस्थित रहती है **1. मूल धातु 2.यौगिक धातु**

क्रिया के भेद-रचना की दृष्टि से क्रिया के दो भेद हैं

1. सकर्मक क्रिया

2. अकर्मक क्रिया

1.सकर्मक क्रिया- जो क्रिया कर्म के साथ आती है, उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं, जैसे -

मोहन फल खाता है। (खाना क्रिया के साथ कर्म फल है)

सीता गीत गाती है। (गाना क्रिया के साथ गीत कर्म है)

2.अकर्मक क्रिया- अकर्मक क्रिया के साथ कर्म नहीं होता तथा उसका फल कर्ता पर पड़ता है, जैसे -

राधा रोती है। (कर्म का अभाव है तथा रोती है क्रिया का फल राधा पर पड़ता है।)

मोहन हँसता है।(कर्म का अभाव है तथा हँसता है क्रिया का फल मोहन पर पड़ता है।)

16.निम्नलिखित प्रश्नमें क्रियाविशेषण का वाक्य कौन-सा है?

(a) धोबी कपड़े साफ धोता है।(b) वह धीरे-धीरे पढ़ता है।
(c) a व b दोनों ।(d) कोई नहीं।

17.एक पद, वाक्यांश या उपवाक्य का संबंध दूसरे पद, वाक्यांश या उपवाक्य से जोड़ने वाले अव्यय को कहते हैं:

(a) समुच्चयबोधक अव्यय(b) विस्मयादिबोधक अव्यय
(c) क्रियाविशेषण(d)अप्रकट अव्यय

18.मजदूर मेहनत करता है,किंतु उसके लाभ से वंचित रहता है यह कैसा वाक्य है?

(a) सरल वाक्य (b) मिश्र वाक्य
(c) संयुक्त वाक्य(d) इनमें से कोई नहीं

1.साधारण या सरल वाक्य-जिस वाक्य में एक ही क्रिया रहती है, उसे साधारण या सरल वाक्य कहते हैं। इसमें एक उद्देश्य और एक विधेय रहता है ।जैसे-मोहन खाना खाता हैं।

2.संयुक्त वाक्य-जिस वाक्य में एक से अधिक साधारण वाक्य या उपवाक्य हों और सभी उपवाक्य /साधारण वाक्य अपने आप में स्वतंत्र हों। जैसे-सोहन खेल रहा हैं और मोहन खाना खा रहा हैं।
('और', 'अथवा' 'लेकिन' किन्तु, परन्तु,अथवा, या, एवं, बल्कि, आदि)

3.मिश्र वाक्य- जिस वाक्य में एक से अधिक साधारण या सरल वाक्य हों और उनमें एक मुख्य वाक्य हो और शेष उसके आश्रित हों, उसे 'मिश्र वाक्य कहते हैं,।योजक चिन्ह- जो,जिसे,कि,क्योंकि,जैसे,ज्यों,ज्यों-ज्यों,जिसका जितना। जैसे- मैं यह जानता हूँ कि यह काम आपसे नहीं होगा।

(1)उद्देश्य (कर्ता)- वाक्य में जिसके बारे में कुछ कहा जाए।
(2)विधेय (क्रिया)- उद्देश्य के विषय में जो कुछ कहा जाए।

19. राम विद्यालय जाता हैं, यह कैसा वाक्य है?
(a)साधारण वाक्य (b)मिश्र वाक्य (c) संयुक्त वाक्य (d) उपवाक्य

20.उससे अब अकेले नहीं रहा जाता है। यह कैसा वाक्य है?
(a)कर्तृवाक्य(b) कर्मवाच्य(c)भाववाच्य (d) इनमें से कोई नहीं

21.'वहाँ जाओ'। यह कैसा वाक्य है?
(a)निषेधवाचक(b)प्रश्नवाचक (c)आज्ञावाचक(d) अनुरोधवाचक

22.'अरे! उसने तो कमाल कर दिया। यह कैसा वाक्य है?
(a)प्रश्नवाचक(b) निषेधवाचक(c)विस्मयवाचक(d) इच्छावाचक

23.निम्नलिखित वाक्यों में मिश्र वाक्य कौन-सा है?
(a)परिश्रमी छात्र परीक्षा में सफल होता है।
(b) बच्चे दौड़ रहे थे और अध्यापक पढ़ा रहे थे।
(c) स्कूल खुल गया और पढ़ाई भी शुरू हो गई।
(d) इनमें से कोई नहीं

24.निम्नलिखित में से किस वाक्य में अकर्मक क्रिया है ?
(a) प्रयाग भात खाता है।
(b) ज्योति रोती है।
(c) राधा फूल तोड़ती हैं।
(d) राम क्रिकेट खेलता हैं।

25.वाच्य कितने प्रकार के होते हैं?
(a) 3
(b) 4
(c) 5
(d) 8

क्रिया-जिन शब्दों से किसी कार्य का होना या करना व्यक्त होता है, उन्हें क्रिया कहते हैं, जैसे- खाना, पीना, सोना, हँसना

धातु – क्रिया के मूल रूप को धातु कहते हैं। 'धातु' से ही क्रिया पद का निर्माण होता है इसलिए क्रिया के सभी रूपों में 'धातु' उपस्थित रहती है **1. मूल धातु 2.यौगिक धातु**

क्रिया के भेद-रचना की दृष्टि से क्रिया के दो भेद हैं

1. सकर्मक क्रिया

2. अकर्मक क्रिया

1.सकर्मक क्रिया- जो क्रिया कर्म के साथ आती है, उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं, जैसे -

मोहन फल खाता है। (खाना क्रिया के साथ कर्म फल है)

सीता गीत गाती है। (गाना क्रिया के साथ गीत कर्म है)

2.अकर्मक क्रिया- अकर्मक क्रिया के साथ कर्म नहीं होता तथा उसका फल कर्ता पर पड़ता है, जैसे -

राधा रोती है। (कर्म का अभाव है तथा रोती है क्रिया का फल राधा पर पड़ता है।)

मोहन हँसता है।(कर्म का अभाव है तथा हँसता है क्रिया का फल मोहन पर पड़ता है।)

धन्यवाद....